आचार्य वीरनन्दि सिद्धान्तचक्रवर्ती

जीवन-परिचय : वीरनन्दि सिद्धान्तवक्रवर्ती नाम के दो आचार्य मुख्य हुए हैं। उनमें से आचारसार के रचयिता वीरनन्दि सिद्धान्तचक्रवर्ती मूलसंघ पुस्तकगच्छ और देशीयगण के आचार्य हैं। इनके गुरु मेघचन्द्र सिद्धान्तचक्रवर्ती थे।

वीरनन्दि सिद्धान्तचक्रवर्ती का समय ई. सन् की 12वीं शताब्दी का मध्यभाग है।

रचना-परिचय : वीरनन्दि सिद्धान्तचक्रवर्ती की एक ही कृति प्राप्त है—

1. आचारसार : इसमें मुनियों के आचार का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है। ग्रन्थ 12 अध्यायों में विभक्त है।